श्री कल्प नाथ राय : प्रधान मंत्री जी ने इस सदन का अपमान किया है इसलिए प्रधान मंत्री को आ कर..... (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Nothing will go on record.

(*Shri Kalp Nath Rai continued speaking*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): It was observed in the morning by Mr. Chairman that nothing on the matter will go on record. Now, please take your seat.

(*Shri Kalp Nath Rai continued speaking*).

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI (Uttar Pradesh): Is it being recorded?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Nothing about this matter is going to be recorded. Mr. J. P. Mathur.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : (उत्तर प्रदेश), मैं इस सदन का ध्यान एक अत्यन्त आवश्यक कार्य की ओर दिलाना चाहता हूं।

(*Interruptions*)

SHRI KALP NATH RAI: Sir,....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Nothing about this matter is going to be recorded.

(*Shri Kalp Nath Rai continued speaking*).

THE EMPLOYMENT OF CHILDREN (AMENDMENT) BILL, 1978

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Mr. Varma to introduce the Bill.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Employment of Children Act, 1938.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI RAVINDRA VARMA: Sir, I introduce the Bill.

श्री कमलापति त्रिपाठी उपसभाध्यक्ष महोदय, प्वायन्ट आफ आर्डर उठाया जा रहा है, उसे तो कम से कम सुनना चाहिए। एक छोटी सी माग की गई थी कि प्रधान मंत्री को बुलाया जाए।

(*Interruptions*)

THE RESERVE BANK OF INDIA (AMENDMENT) BILL, 1978

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Shri Satish Agarwal.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATISH AGARWAL): Sir I beg to move:

"That the Bill further to amend the Reserve Bank of India Act, 1934 as pasesed by the Lok Sabha, be taken into consideration."

(*Interruptions*)

REFERENCE TO A FATAL ACCIDENT BY A JEEP IN DELHI—Contd.

SHRI G. LAKHMANAN (Tamil Nadu): Sir, Let me make a personal appeal to the hon. Members.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Nothing will be heard.

I had requested earlier, also, when Mr. Sharma raised a point that this matter was raised also in the morning. The Prime Minister was at that time present in the House. The Prime Minister could make a statement. Nobody could have denied him the right to make a statement at that time. Then I told Mr. Sharma, whatever he said again, that Mr. Advani is here present in the House, he can carry his feelings to the Prime Minister and if the Prime Minister wishes to make a statement, he can make it today or tomorrow. Therefore, why should the business of the House suffer because the Pirme Minister is not here? Secondly....

(*Interruptions*)

SHRI ANANT PRASAD SHARMA (Bihar): If he can assure that the Prime Minister will make a statement, then the matter can be . . .

(*Interruptions*)

श्री महेन्द्र मोहन मिश्र (बिहार) : श्रीमन्, मेरा निवेदन यह है कि आप आधे घंटे के लिए सदन को स्थगित कर दीजिए। इस बीच मे सदन के नेता महोदय प्रधान मंत्री जी से बातचीत कर ले। जिस प्रकार की परिस्थिति इस वक्त सदन मे चल रही है उसमे सभा की कार्यवाही नही चल सकती। मेरी यह प्रार्थना है कि इस समय आप कम से कम आधे घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दीजिए।

SHRI G. LAKSHMANAN: The Congress Members cannot dictate terms to the Vice-Chairman.

श्री कमलापति त्रिपाठी : मान्यवर, मै आपके द्वारा नेता सदन से यह कहना चाहता हू कि वे जाकर प्रधान मंत्री को इस सदन की भावनाये व्यक्त कर दे . . .

(*Interruptions*)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : श्रीमन्, ये बाते सदन की भावनाये नही है, कुछ लोगो की भावनाये हो सकती है।

SHRI HAMID ALI SCHAMNAD (Kerala): This is not the feeling of the House; only a section of the House.

SHRI G. LAKSHMANAN: Point of order. I move for closure of the discussion. (*Interruptions*) . . . You can name them, Sir. (*Interruptions*) . . . Sir, I have moved the motion. (*Interruptions*) Therefore, you cannot . . . (*Interruptions*) It can be put to vote.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): There is actually no matter before this House because no matter has been brought before this House for discussion under the rules. It was only a reference made by some hon. Member and after he made the reference he wanted the Prime Minister to say something about that matter. Therefore there is no matter with regard to what the hon. Member is speaking presently before the House.

SHRI G. LAKSHMANAN: Shouting itself is . . .

(*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Therefore, there is no question of moveing a closure motion.

श्री कमलापति त्रिपाठी : मान्यवर, आपकी बात सुन कर मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ। आज प्रातः जब सदन मिला तो कुछ समय के बाद लगभग एक घंटे तक इस विषय पर बहस चल रही थी। एक मैशन किया गया था और सदन के सदस्यों ने यह माग की थी कि प्रधान मंत्री जी को इस मामले पर अपना वक्तव्य देना चाहिए; क्योकि वे लोक सभा में इस प्रकार का वक्तव्य दे चुके थे। इस मामले के बारे मे कई प्रकार की भ्रातियां और झूठी बाते फैलाई गई है। किसी एक व्यक्ति के खिलाफ यह आरोप लगाया गया है कि इस वक्त वह जेल में है और उसने किसी के द्वारा जीप चलवा कर किसी को मरवा डाला। इसके ऊपर उनको वक्तव्य देना चाहिए। उन्होने नही सुना और सदन एडजार्न हुआ और उठ कर चले गए। फिर अब सदन मिला है परन्तु वह नही आए। इसलिए मै आपसे प्रार्थना करता हूं कि (*Interruptions*) माननीय सदन नेता से यह कहिए कि वे श्री मोरारजी देसाई के पास जाकर हमारी भावनाये व्यक्त करे और वे कृपा करके यहां आकर वक्तव्य दे दे। अगर प्रधान मंत्री का वक्तव्य नही होगा तो सदन कैसे चलेगा? सदन को चलाना मुश्किल हो रहा है।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : उपसभाध्यक्ष जी, जहा तक सदन की भावना का सवाल है, मै कहना चाहूगा कि . .

SHRI G. LAKSHMANAN: Sir, the entire shouting was in English. So he should reply in English.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : यहां सदन की भावना का जिक्र किया गया है। मै समझता हूं कि सदन के बहुत से सम्मानित सदस्यो को आज की घटनाओ से बहुत आघात पहुचा है कि वे एक पक्ष अव्यवस्था पैदा करके नियमो को अपने हिसाब से मोडना चाहता है।

(*Interruptions*)

प्रधान मंत्री जी के कहने पर मै उस समय यहा खडा हुआ था बोलने के लिए। इस सदन को ध्यान है कि उस समय प्रधान मंत्री जी ने मुझे स्वयं कहा था कि यहां पर आकावशाणी के बारे मे बात कही गई है, इसलिए आप इस पर बोले तो उपयुक्त होगा। लेकिन मेरे खड़े होने के बाद, जो माननीय सदस्य सदन की भावना की बात करते है, उन्होंने कहा कि हम नहीं सुनेंगे। हम तो प्रधान मंत्री को सुनना चाहते है।

(*Interruptions*)

उपसभाध्यक्ष जी, सदन की भावना, सदन का आदर और सदन की मर्यादा की बात उनको

कहनी चाहिए जो सदन की मर्यादा का पालन करते हों । मैं विनम्रतापूर्वक कहना चाहूगा कि...

(*Interruptions*)

उपसभाध्यक्ष जी, आज प्रातः काल यहां पर सभापति जी स्वय मौजूद थे । सभापति जी ने सारे नियमो को ध्यान मे रख कर, सारी व्यवस्था का हिसाब रख कर जहा आवश्यक समझा यह आदेश दिया कि जितने सदस्य इस तरह बोल रहे है उनके वक्तव्य कार्यवाही मे न आये और करीब एक घटे की कार्यवाही रिकार्ड नही की गई । यह इसलिये कि इसे उन्होंने अव्यवस्था माना । यदि हम सरकार से कोई बयान करवाना चाहते है तो उसके लिये व्यवस्था है, विधियां है और सारे कानून है । Proceedings of the House should be conducted in an orderly fashion, in accordance with the Rules. इसलिए मै आपसे निवेदन करूगा कि नियमों के अनुसार इस सदन की कार्यवाही को चलाये ।

(*Interruptions*)

SHRI G. LAKSHMANAN: Sir, I would make a small suggestion to the Leader of the Opposition. The parliamentary procedure is that if a particular thing is not accepted by the Government, or the request is not respected, it is open to the Opposition to simply walk out.

(*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Please resume your seat.

(*Shri G. Lakshmanan continued speaking*).

(*Shri Kalp Nath Rai continued speaking*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): How can I allow you to speak? Your own Members are not allowing you to speak.

(*Shri Anant Prasad Sharma continued speaking*)

(*Shri Hamid Ali Schamnad continued speaking*)

[*Shri N. G. Ranga (Andhra Pradesh) continued speaking*]

THE RESERVE BANK OF INDIA (AMENDMENT) BILL, 1978 Contd.

SHRI SATISH AGARWAL: Sir, I again move:

"That the Bill further to amend the Reserve Bank of India Act, 1934 as passed by the Lok Sabha, be taken into consideration.'

(*Interruptions*)

REFERENCE TO A FATAL ACCIDENT BY A JEEP IN DELHI—contd.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): What is the matter before the House? (*Interruptions*). You are creating disorder. (*Interruptions*). You are creating disorder.

(*Interruptions*)

(*Shri Kalp Nath Rai continued speaking*).

(*Shri Anant Prasad Sharma continued speaking*).

[**Mr. Chairman** in the Chair.]

श्री श्याम लाल यादव (उत्तर प्रदेश) : सभापति महोदय, यह बात समझ मे नही आती कि प्रधान मंत्री क्यो इस प्रकार का रवैया अपना रहे है । वे इस सदन मे मौजूद थे । हमारा यह अधिकार है और आज जो लोग जिस गद्दी पर बैठे है उन का दायित्व है कि वे सत्य बातों को सदन के सामने रखे । विशेष कर जब सदस्य किसी प्रश्न को लेकर उत्तेजित हों और प्रधान मत्री को सुनना चाहते है, उस हालत मे यह गैर-मुमकिन है, यह प्रजातंत्र की हत्या है, यह प्रजातंत्रीय पद्धति के विपरीत है कि वह सदन को उत्तर न दे । आप इस सदन को छोड कर चले गए थे और फिर आ गए है, मै चाहता हू आप इस सदन में व्यवस्था दे । ये प्रधान मंत्री बहुत दिनो तक रहने वाले नही है । आप भले ही रिकार्ड मत होने दीजिए, आप रिपोर्टरों को हटा दीजिए लेकिन हम अपनी बात कह कर रहेगे । हमको कोई जरूरत नही लेकिन आप इस कुर्सी पर बैठे हुए है और इसलिये हम अपनी बात को कहते रहेगे । लेकिन मुझे बताया जाय और सदन को बताया जाए कि कोई प्रधान मंत्री अगर इस प्रकार का अहंकारी रवैया अख्तियार करे, कोई बुजुर्ग प्रधान मंत्री जो अपने को कहता हो, इस प्रकार का व्यवहार करे जो जनतत्र की मान्य परंपराओ के विपरीत हो तो क्या होगा । इस सदन में आडवाणी जी बैठे थे, वह पहले इधर बैठते थे... (*Interruptions*) तो मै आप से अनुरोध करूंगा कि हमारे अधिकारों की आप रक्षा कीजिए। आप उन्हे बाध्य कीजिए कि वे यहां आ कर इस पर वक्तव्य दें । मै एक बात कह कर समाप्त करूंगा ।

SHRI N. P. CHENGALRAYA NAIDU (Andhra Pradesh): Sir, is it being recorded? It was not recorded